# पाठ - 3 नादान दोस्त

मुंशी प्रेमचंद

शब्दार्थ

कार्निस - खिड़की के ऊपर की मुंडेर
सुध - ध्यान न रहना
पेचीदा सवाल - कठिन सवाल
जिज्ञासा - जानने की इच्छा
अधीर होना - उतावला होना
अँदाजा - अनुमान लगाना
चाँदनी - छत
उधेड़बुन - विचार करना
कूड़ा - कचरा
झुँझलाना - गुस्सा करना
हिकमत - उपाय निकालना
टहनी - पेड़ की डाली
सिटकनी - कुंडी (दरवाजे व खिड़की की)
हिफाजत - सुरक्षा
तिनका - सूखी घास की छोटी टहनी
चिथड़ा - फटे-पुराने कपड़े
किवाड़ - दरवाजा
चेहरे का रंग उड़ना - (मुहावरा)
हक्का - धक्का रहना
ताकना - देखना
करुण स्वर - रोने का स्वर
सेती - छूना

भीगी बिल्ली बनना [मुहावरा] - डर जाना

अफ़सोस - पछतावा करना

चारा - पानी - खाना - पीना [भोजन]

28/7/2020

# पाठ - 3 नादान दोस्त

मुंशी प्रेमचंद

कहानी से

प्र:1 अंडो के बारे में केशव और श्यामा के मन मे किस तरह के सवाल उठते थे? वे आपस में ही सवाल जवाब करके अपने दिल को तसल्ली क्यों दे दिया करते थे?

उत्तर:- अंडो के बारे में केशव और श्यामा के मन मे यह सवाल उठते थे कि अंडे कितने बड़े होंगे? किस रंग के होंगे? कितने होंगे? उनमें से बच्चे किस तरह निकल आएंगे? :-

वे दोनों खुद ही अपने मन को तसल्ली इसलिए दिया करते थे कि अम्मा को घर के कामों से फुरसत नही थी, और बाबू जी को पढने - लिखने से दोनो अपने ही काम मे व्यस्त रहते थे।

प्र: 2 केशव ने श्यामा से चिथड़े, टोकरी और दाना - पानी मँगाकर कार्निस पर क्यों रखे थे?

उत्तर - कार्निस पर चिड़िया के अंडे थे। केशव और श्यामा ने सोचा कि अंड़ो से बच्चे निकल आए होंगे। उन्हें धूप से बचाना है, इसलिए टोकरी मंगवाई। चिथड़े बिछाकर अंडो के लिए गद्दी बनाई।

दाना-पानी लाकर उनकी भूख मिटाने का प्रबंध किया। प्याली में खाने के लिए दाना और पानी रख दिया।

प्र:3 केशव और श्यामा ने चिड़िया के अंडो की रक्षा की या नादानी ?

उत्तर केशव और श्यामा ने अपनी ओर से तो अंडो की रक्षा करनी चाही, परन्तु जाने-अनजाने उनसे नादानी हो गई। उन्हें नहीं पता था कि यदि वे अंडो को छू लेंगे तो चिड़िया उन्हे स्वयं ही नीचे गिराकर तोड़ देगी। अतः नादानी मे सुरक्षा में बच्चों (अंडो) की हत्या हो गई।

कहानी से आगे।

प्र.1 केशव और श्यामा ने अंडो के बारे में क्या-2 अनुमान लगाए ? यदि उस जगह तुम होते तो क्या अनुमान लगाते और क्या करते ?

उत्तर:- केशव और श्यामा ने अनुमान लगाया कि अब उन अंडो से बच्चे निकल आए होंगे। चिड़िया इतना दाना कहाँ से लाएगी। बच्चे चूँ-चूँ करते मर जाएंगे। उन्हे भूख लगती होगी।

यदि केशव और श्यामा की जगह हम होते

तो हम अनुमान लगाते कि कोई दुसरा जानवर या जीव-जंतु अंडो तक नही पहुँच पाए। हम अंडो के साथ छेड़-छाड़ नही करते। उनके लिए दाना हम कार्निस पर न रखकर जमीन पर रख देते।)

प्र: 2 माँ के सोते ही केशव और श्यामा दोपहर में बाहर क्यों निकल आएं? माँ के पूछने पर भी दोनो में से किसी ने किवाड़ खोलकर दोपहर में बाहर निकलने का कारण क्यों नही बताया?

उत्तर:- क्योंकि वही समय ऐसा था जिसमे दोनो बच्चे चुपचाप बाहर आकर अंडो को देख सकते थे। अगर माँ उनको देख लेती तो उनको हाथ लगाने नही देती; माँ के पिटाई के डर से दोनो में से किसी ने बाहर निकलने का कारण नहीं बताया।

प्र: 3 प्रेमचंद ने इस कहानी का नाम "नादान-दोस्त" रखा। तुम इसे क्या शीर्षक देना चाहोगे?

उत्तर: "बच्चो की नादानी" या "जाने-अनजाने सुरक्षा मे हत्या" शीर्षक देना चाहेंगे।

भाषा की बात -

→ प्रश्न पाठ्य पुस्तक से देखकर लिखिए

विशेषण :- संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्दों को विशेषण कहते हैं

विशेष्य :- जिस शब्द की विशेषता बताई जाती है

1) गुणवाचक विशेषण :- जिन शब्दों से किसी संज्ञा या सर्वनाम के गुण, दोष, आकार, रंग, दिशा आदि का बोध हो, उसे गुणवाचक विशेषण कहते हैं

गुणवचिक विशेषण - वाच्य

1) ईमानदार - आयुष एक ईमानदार लड़का है
2) नीला - आसमान का रंग नीला है
3) मोटी - संगीता मोटी लड़की है
4) काला - इसगाय का रंग काला है

3) रीतिवाचक क्रियाविशेषण :- जो क्रिया - विशेषण शब्द क्रिया के होने की [ढंग] रीति बताते हैं, उन्हे रीतिवाचक क्रि. वि. कहते हैं

→ ये शब्द बताते हैं कि क्रिया कैसे हुई?

1) सुंअलाकर :- मोहन की बात सुनकर नेहा सुंअलाकर चली गई।
2) बनाकर - माँ खाना बनाकर बाजार गई।

3) घबराकर - दुर्घटना की खबर सुन वह घबरा उठा।

4) टिकाकर :- अर्जुन ने नजरें टिकाकर निशाना साधा।

5) गिड़गिड़ाकर - राजीव ने गिड़गिड़ाकर सोहन से माफी मांगी।